7 विकारी शब्द - सर्वनाम

DECLINABLE WORDS–PRONOUN

बच्चो! संज्ञा हमारी पहचान बताती है। किंतु, एक ही संज्ञा शब्द का बार-बार प्रयोग करना पड़े तो भाषा अटपटी लग सकती है। इसके स्थान पर यदि सर्वनाम का प्रयोग किया जाए तो भाषा सरस, सरल और प्रभावपूर्ण बन जाती है। इसे एक उदाहरण से समझिए–

मारिया ने कहा, "**मैं** (मारिया) मेला घूमने जा रही हूँ।"
शबनम ने कहा, "**मैं** (शबनम) भी **तुम्हारे** (मारिया के) साथ चलूँगी।"
मारिया ने कहा, "**मेरे** (मारिया के) साथ नहीं, **तुम** (शबनम) मनप्रीत के साथ आ जाना। **वह** (मनप्रीत) आ ही रही होगी।"
शबनम ने कहा, "थोड़ी देर रुक जाओ न! **हम** (मारिया, शबनम और मनप्रीत) साथ-साथ ही चलेंगे तो अच्छा रहेगा।"

अब इस वार्तालाप में रंगीन शब्दों के स्थान पर कोष्ठक वाले शब्द रखकर पढ़िए। आपको अटपटा लगा न! इसका अर्थ हुआ कि जब बातचीत में नामों (संज्ञा शब्दों) के स्थान पर सर्वनामों का प्रयोग किया जाता है तब हमारी भाषा में सरसता एवं सरलता आ जाती है।

संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

सर्वनाम के भेद

आइए, पहले जानें कि सर्वनाम का प्रयोग किन-किन परिस्थितियों के लिए हो सकता है–

- वक्ता, श्रोता या जिसके बारे में बातचीत हो, उसके लिए
- निश्चितता का बोध कराने के लिए
- अनिश्चतता का बोध कराने के लिए
- प्रश्न का बोध कराने के लिए
- निजता (अपनापन) का बोध कराने के लिए
- उस संज्ञा शब्द के लिए जिसका संबंध अन्य संज्ञा या सर्वनाम से हो।

इन्हीं आधारों पर सर्वनाम के छह भेद माने गए हैं। ये भेद हैं – **पुरुषवाचक सर्वनाम, निश्चयवाचक सर्वनाम, अनिश्चयवाचक सर्वनाम, प्रश्नवाचक सर्वनाम, निजवाचक सर्वनाम और संबंधवाचक सर्वनाम।**

Scanned with CamScanner

पुरुषवाचक सर्वनाम

जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग बोलने वाले के लिए, सुनने वाले के लिए या किसी अन्य के लिए किया जाता है, वह **पुरुषवाचक सर्वनाम** कहलाता है। जैसे–

पीटर ने अमन से कहा, "मैं पटना जा रहा हूँ।"
अमन ने पीटर से पूछा, "तुम पटना क्यों जा रहे हो?"
पीटर ने बताया, "मैं मोहन से मिलने जा रहा हूँ। वह पटना में रहता है।"

पहले वाक्य में 'मैं' का प्रयोग बोलने वाले (पीटर) ने अपने लिए किया है। दूसरे वाक्य में 'तुम' का प्रयोग सुनने वाले (पीटर) के लिए हुआ है जबकि तीसरे वाक्य में 'वह' का प्रयोग किसी अन्य (मोहन) के लिए हुआ है। इस प्रकार 'मैं', 'तुम' और 'वह' पुरुषवाचक सर्वनाम हैं।

पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन उपभेद होते हैं – **उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम और अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम।**

उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम – जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग वक्ता के लिए होता है, वह उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाता है। जैसे–

मैं खेलना चाहता हूँ।
मेरा मन खेलने को हो रहा है।
मेरे पिता बाहर गए हैं।
मेरी माँ खाना पका रही है।
मुझे भूख लगी है।
हम घूमने जाएँगे।
हमारी छुट्टियाँ हो गई हैं।
हमारे दोस्त भी घूमने जाएँगे।
हमें घूमना अच्छा लगता है।

मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम – जिससे बात की जाती है, उसके लिए जिस सर्वनाम का प्रयोग होता है, वह मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाता है। जैसे–

तू तो बड़ा नीच निकला।
तुम क्यों आए हो?
तुम्हारा सामान कहाँ है?
तुम्हें तो अभी ठहरना है न!
आप अंदर आ जाइए।
आपको कहीं देखा है!

Scanned with CamScanner

अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम – जिसके बारे में बात की जाए, उसके लिए जिस सर्वनाम का प्रयोग होता है, वह **अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम** कहलाता है। जैसे–

वह चला गया था।
वे गीतिका को बुला रहे थे।
क्या यह यहीं ठहरेगा?
ये कल लौटकर आएँगे।
उसे जाना पड़ा।
इन्हें अध्यापिका जी ने रोक रखा है।

निश्चयवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम शब्द पास या दूर के निश्चित व्यक्ति, प्राणी, वस्तु या स्थान का बोध कराता है, वह **निश्चयवाचक सर्वनाम** कहलाता है। जैसे–

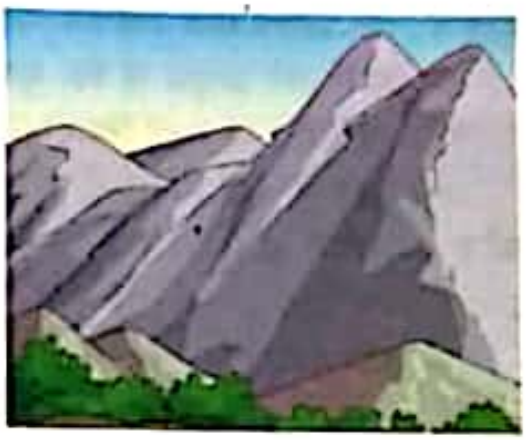

यह अमिताभ बच्चन का बंगला है।
वह हिमालय पर्वत है।
इसी ने आपको बचाया था।
उसी ने मुन्ना को चाँटा मारा था।

यह भी जानिए

- निश्चयवाचक सर्वनाम का प्रयोग कभी-कभी उपवाक्य या कथन के स्थान पर भी होता है। जैसे–
  चुनाव में हमारी हार होगी, यह मैं समझ चुका था।
  इस वाक्य में 'यह' सर्वनाम 'चुनाव में हमारी हार होगी' के स्थान पर आया है।
- 'वह' का प्रयोग अन्य पुरुष के रूप में और निश्चयवाचक सर्वनाम के रूप में भी होता है। जब इसका प्रयोग किसी अन्य के संदर्भ में होता है तब वह अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम होता है। जब किसी के लिए संकेत करके बताया जाए, तब वह निश्चयवाचक सर्वनाम होता है–
  दीपू ने नेहा के बारे में पूछने पर बताया कि वह चली गई। (अन्य पुरुष वह)
  वहाँ एक लड़की खड़ी है, वह नयना है। (निश्चयवाचक सर्वनाम वह)

अनिश्चयवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम शब्द अनिश्चित व्यक्ति, प्राणी, स्थान या वस्तु का बोध कराता है, वह **अनिश्चयवाचक सर्वनाम** कहलाता है। जैसे–

देखो, तुमसे मिलने कोई आया है!
खाने को कुछ मिलेगा क्या?
पिता जी, कोई आपसे मिलने आए हैं।
माँ, कुछ खाने को दे दो न!

Scanned with CamScanner

यह भी जानिए

- अनिश्चयवाचक सर्वनाम के रूप में 'कोई' का प्रयोग प्राणिवाचक संज्ञा शब्दों के स्थान पर होता है जबकि 'कुछ' का प्रयोग अप्राणिवाचक संज्ञा के स्थान पर होता है। जैसे–

  बाहर **कोई** आया है क्या? (व्यक्ति या प्राणी)

  रेहाना पलंग के नीचे **कुछ** ढूँढ़ रही थी। (वस्तु)

- वाक्य में विशिष्टता लाने के लिए 'कोई' और 'कुछ' का प्रयोग पुनरुक्त रूप में भी होता है। जैसे–

  कोई-कोई तो बीस रोटी तक खा सकता है। सब अपने घर से **कुछ-कुछ** लेकर आए थे।

प्रश्नवाचक सर्वनाम

जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग किसी व्यक्ति, प्राणी, स्थान या वस्तु के संबंध में प्रश्न पूछने के लिए प्रयुक्त होता है, वह **प्रश्नवाचक सर्वनाम** कहलाता है। जैसे–

लोग जानने को उत्सुक थे कि मुख्य अतिथि **कौन** हैं।

पता नहीं, बटुए से रुपये **किसने** चुराए।

आज खाने में **क्या** मिलेगा?

कौन का प्रयोग प्राय: प्राणिवाचक संज्ञा के स्थान पर होता है। अप्राणिवाचक संज्ञा के स्थान पर जब इसका प्रयोग होता है तब इसमें **-सा/-सी/-से** जोड़ दिया जाता है। जैसे–

वहाँ **कौन** खड़ा है?

इन गुड़ियों में से तुम्हें **कौन-सा** पसंद है?

क्या का प्रयोग अप्राणिवाचक संज्ञा के स्थान पर होता है। जैसे – बताओ तो सही, तुम्हें **क्या** चाहिए।

निजवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम शब्द संज्ञा या पुरुषवाचक सर्वनाम के साथ अपनेपन का बोध कराता है, वह **निजवाचक सर्वनाम** कहलाता है। जैसे–

हमें अपना काम **स्वयं** करना चाहिए।

रहने दो, वह **आप** ही चला जाएगा।

मैं **अपने-आप** ड्रेस पहन लेता हूँ।

यह भी जानिए

- जब सुनने वाले के लिए 'आप' आए तब मध्यमपुरुषवाचक सर्वनाम होगा। जैसे –

  अब **आप** बोल सकते हैं।

- जब आदर देने के लिए 'आप' आए तब अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम होगा। जैसे–

  बापू अहिंसा के पुजारी थे। **आप** जैसे अहिंसावादी कम ही मिलते हैं।

- जब बोलने वाला अपने संबंध में बात करने के लिए 'आप' का प्रयोग करे तब यह निजवाचक सर्वनाम होगा। जैसे – यह काम मैं **आप** ही कर लूँगा।

- कभी-कभी अपनापन दिखाने के लिए अपने से छोटे के लिए भी 'आप' का प्रयोग किया जाता है। जैसे–

  अध्यापिका ने पूछा, "**आप** कल क्यों नहीं आए थे?"

Scanned with CamScanner

संबंधवाचक सर्वनाम

जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग किसी अन्य उपवाक्य में प्रयुक्त संज्ञा या सर्वनाम के लिए किया जाता है, वह संबंधवाचक सर्वनाम कहलाता है। जैसे –

जैसा करोगे वैसा भरोगे।

जो जागा सो पाया।

वह किसका घर था जिसमें हम सब ठहरे थे।

अरे, वही गायब हो गया जिसने हमें बुलाया था।

सर्वनाम पर लिंग एवं वचन का प्रभाव

संज्ञा की भाँति सर्वनाम भी विकारी शब्द है अर्थात् वाक्य में प्रयोग किए जाने पर सर्वनाम के रूपों में परिवर्तन आ सकता है।

- सर्वनाम शब्दों पर लिंग का प्रभाव नहीं पड़ता है। जैसे –

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
मैं पत्र लिख रहा हूँ।	मैं पत्र लिख रही हूँ।
तुम पत्र लिख रहे हो।	तुम पत्र लिख रही हो।
वह पत्र लिख रहा है।	वह पत्र लिख रही है।
हम पत्र लिख रहे हैं।	हम पत्र लिख रही हैं।
आप पत्र लिख रहे हैं।	आप पत्र लिख रही हैं।
वे पत्र लिख रहे हैं।	वे पत्र लिख रही हैं।

ऊपर के वाक्यों में, 'मैं', 'तुम', 'वह', 'हम', 'आप' और 'वे' के पुल्लिंग और स्त्रीलिंग रूप समान हैं।

- सर्वनाम शब्दों में वचन के अनुसार परिवर्तन होता है। जैसे –

एकवचन	बहुवचन
मैं पत्र लिख रहा हूँ।	हम पत्र लिख रहे हैं।
तुम पत्र लिख रहे हो।	आप पत्र लिख रहे हैं।
वह पत्र लिख रहा है।	वे पत्र लिख रहे हैं।
मुझे पत्र लिखना है।	हमें पत्र लिखना है।
तुम्हें पत्र लिखना है।	आपको पत्र लिखना है।
उसे पत्र लिखना है।	उन्हें पत्र लिखना है।

ऊपर के वाक्यों में, 'मैं', 'तुम', 'वह', 'मुझे', 'तुम्हें' और 'उसे' के रूप बहुवचन में बदलकर क्रमशः 'हम', 'आप', 'वे', 'हमें', 'आपको' और 'उन्हें' हो गए हैं।

Scanned with CamScanner

गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल चास

सप्ताहिक कार्य 3

मई 2020

वर्ग अष्टम विषय हिंदी

निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

बड़े मियाँ चिड़िया वाले की दुकान के निकट समझते हैं उन्होंने सड़क पर आकर ड्राइवर को रुकने का संकेत दिया। मेरे कोई प्रश्न है करने के पहले ही उन्होंने कहना आरंभ किया,"सलाम गुरुजी! पिछली बार आने पर आपने मोर के बच्चों के लिए पूछा था। शंकरगढ़ से एक चिड़ीमार दो मोर के बच्चे पकड़ लाया है, एक मोर है एक मोरनी। आप पाल लें। मोर के पंजों से दवा बनती है सो ऐसे ही लोग खरीदने आए थे। आखिर मेरे सीने में भी तो इंसान का दिल है। मारने के लिए ऐसी मासूम चिड़ियों को कैसे दे ।टालने के लिए मैंने कह दिया, गुरुजी ने मँगवाए हैं। वैसे यह रोजगार ही खराब है। बस, पकड़ो पकड़ो, मारो मारो।"

क) दुकान किसकी थी?

ख) बड़े मियाँ में मोर के बच्चे कहां से प्राप्त किए थे?

ग) बड़े मियाँ ने मोरों की क्या उपयोगिता बतलाई थी?

घ) 'मँगवाना'कौन सी क्रिया है?

निम्नलिखित पंक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

"यह देश जहाँ नारद के गूँजे मधुमेह गान कभी थे।"

किसने किससे कहा

क) "मोर के बच्चे है कहाँ?"

ख) "..... पर आप से भी यह अध मरी मोरनी ले जाने को कैसे कहूँ?

ग) "मोर के क्या सुरखाब के पर लगे हैं?"

घ) "तुम्हारी इतनी अवस्था हो गई मगर ओछापन ना गया।"

ङ) "मैं एक गिलास लस्सी पी लूँ, आप जरा साइकिल को थामिए।"

च) "जल्दी से पुलिस को फोन करो वरना ये लोग सब कुछ लेकर चंपत हो जाएँगे।"

व्याकरण

इन वाक्य में प्रयुक्त रेखांकित शब्दों के सर्वनाम भेद लिखिए।

Scanned with CamScanner

क) आप खाने में <u>क्या</u> लेना चाहेंगे?

ख) देखता हूं, तुम्हें इतने से <u>कौन</u> बचाता है?

ग) गिलहरी झाड़ियों में <u>कुछ</u> ढूँढ रही थी?

घ) भारत परमाणु शक्ति से संपन्न देश है, <u>यह</u> दुनिया जान चुकी है।

ङ) मुझे अपने कपड़े <u>आप ही</u> धोना अच्छा लगता है।

च) <u>आप</u> तो ऐसे हैरान हो गए कि पूछो मत।

छ) जिन्होंने मुझे ठुकराया वह मेरे <u>अपने</u> ही थे।

****

Scanned with CamScanner